GROUP-43 (Dispenser Ayurvedic)

Level- Matric+ Course of Up-Vaidya/ Diploma in Ayurvedic Pharmacy

1) General awareness, Reasoning, Mathematics, Science, History including Haryana related history, current affairs, literature, Geography, Civics, Environment, Culture etc.- **(Weightage 20%)**

2) Computer terminology, Fundamentals, word software, excel software, Power point, internet, web browsing, Communication, emails, downloading and uploading data on websites etc. -

(Weightage 10%)

3) Subject related syllabus- **(Weightage 70%)**

आयुर्वेद परिचय एवं स्वास्थ्य शिक्षा

1. आयुर्वेद परिचय,लक्षण,आयुर्वेद का प्रयोजन।

2. अष्टांग आयुर्वेद एवं लधुत्रयी, वृहत्रयी तथा प्रत्येक विभाग के ख्यातिप्राप्त ग्रंथ।

3. स्वास्थ की परिभाषा, त्रिसूत्र,चतुष्पाद,त्रिस्तंम्भ,त्रिउपस्तम्भ।

4. दोष,धातु,मल,अग्नि,का सामान्य परिचय, परिभाषा, प्रकार एवं लक्षण।

5. विभिन्न वैज्ञानिक शब्दों का परिचय।

द्रव्य (स्थावर, जांगम,पार्थिव) विविध औषध (दैवव्यपाश्रम सत्वावजय) प्रकोप, प्रशमन, द्विविध औषधि (शोधन शमन),(ऋतु)आदान काल एवं विसर्गकाल, हंसोदक, देश (जागल आनूपसाधारण) सामान्य, विशेष सिद्धान्त, पंचमहाभूत, देह प्रकृति एवं मानस प्रकृतिपथ्य एवं अपथ्य।

6. औषधि सेवनकाल, अनुपान एवं इसका महत्व।

7. आयुर्वेद का पत्र–पत्रिकायें।

8. स्वास्थ की परिभाषा, एवं अवधारणा।

9. स्वासयि एवं आहार।

10. व्याधि उत्पत्तिकर भाव।

11.स्वस्थवृत्त।

12. संकामकरोग एवं उनकी रोकथाम।

13. आदर्शग्रह,जल आपूर्ति एवंस्वच्छता का सामान्य ज्ञान।

14. मातृ एवं शिशु कल्याण,प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तरकर्म, टीकाकरण, परिवार कल्याण एवं परिवार नियोजन।

15. मांसपेशियों एवं अस्थियों का परिचयात्मक एवं व्यावहारिक ज्ञान।

मांसपेशियों :–डेल्टॉयड, बाइसेप्स एवंट्राइसेप्स अस्थियोंफीमर, टीबियाफिबुला, ह्यूमरस,रेडियसअलना।

शिरायें:–जुगलरवेन, फीमोरलवेन, सुपीरियर अस्थिया वेनाकावा, इन्फीरियर वेनाकेवा

धमनियां:–रेडियल एवं कोरोनरी आर्टरी

16.श्वसन संस्थान,रक्तवह संस्थान,पाचन/मूत्रवह एवं प्रजनन संस्थान एवं वातबह संस्थान नवर्स सिस्टम का सामान्य परिचय व ज्ञान।

17. नाड़ी, रक्तचाप,श्वसन,श्वसनगति,तापमान एवं शलाका से मत्र निर्गमन, इन्टेक एवं आउटपुट चार्ट की व्यवस्था का सामान्य परिचय एवं ज्ञान।

<u>द्रव्यगुणविज्ञान</u>

1. द्रव्यगुण का सामान्य परिचय एवं प्रमुख ग्रंथो (निघट्टुओं) का ज्ञान

2. द्रव्य,रस,गुणबीर्य,विपाक एवं प्रभाव का सामान्य परिचय।

3. बृहत्त्रयी एवं आधुनिकमतानुसार द्रव्यों का वर्गीकरण।

4. द्रब्यों का पाच्च भौतिकत्व,रसों का षडविधत्व,मधुरादि षडरसों के गुणधर्म

5. निम्नलिखित वैज्ञानिक शब्दों का प्रारम्भिक ज्ञानः—

दीपन,पाचन,शमन,अनुलोमन,स्रंसन,भेदन,रेचन,वमन,ग्राही,स्तंभन,छेन,लेखन,बाजीकरण,रसायन,व्यवायी,

विकाशी,मदकारी,प्रमाथी,अभिष्यन्दी,योगवाही।

6. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञानः—

दशमूल,पंचवल्कल,त्रिफला,त्रिकटु,त्रिमद,त्रिजात,चातुजार्त,पंचकोल,

पंचगव्य,षडुषण,तृणपच्च्मूल,कण्टकपंचमूल,अष्टवर्ग,जीवनीयगण,दुग्धवर्ग,चतुर्विध,स्नेह,मूत्रवर्ग

चतुराम्ल,पंचॉम्ल,दशेमनि।

7. ऋतुओ के अनुसारद्रव्यों का संग्रह,द्रव्यों का महत्व एवं प्रतिनिधि द्रव्य।

8. द्रव्यों की संग्रह विधि, संग्रहित द्रव्यों से औषधि द्रव्य कोनिकालकर उनका शुंष्कीकरण औषधि द्रव्यों की पहचान का उपद्रव्यों से अलगाव की विधि।

9. औषधिय पौधों का संवर्धन

10. निम्नलिखित द्रव्यों का परिचय,पर्याय एवं औषधीय गुणकर्मः—

1 कण्टकारीबृहती 3 शालपर्णी

4 प्रश्निपणी 5 गोक्षुर 6 पाटला

7 बिल्व 8 अग्निमंथ 9 श्योनाक

10 गंभारी 11 हरीतकी 12 आमलकी

13 शुण्ठी 14 मरिच 15 पिप्पली

16 चित्रक 17 पिप्पलीमुल 18 वट

19 अश्वत्थ 20 पारसपीपल 21 उदुम्बर

22 प्लक्ष 23 शिरीष 24 नीम

25 तुलसी 26 कुमारी 27 शतावरी

28 अपामार्ग 29 बलाचतुष्टय 30 अर्जुन

31 शंखपुष्पी 32 शरपुंखा 33 आरग्वध

34 एरण्ड 35 स्नुही 36 अर्क

37 निंबु 38 निर्गुण्डी 39 भूनिम्ब

40 भृंगराज 41 नागरमोथा 42 दूर्वा

43 धान्यक 44 गुंडूची 45 कुटज

46 धातकी 47 मधूक 48 पुनर्नवा

49 अजमोदा 50 अतिविषा 51 अश्वगंधा

52 अम्लिका 53 पर्पटक 54 पलाश

55 पाठा 56 प्रियाल 57 वचा

58 बदर 59 मेथिका 60 मूलक

61 मदनफल 62 कम्पिलक 63 वत्सनाभ

64 विडंग 65 हरिद्रा 66 वकुल

67 शाल्मली 68 सर्पगंधा 69 शेफालिका

70 शोभांजन 71 सर्पगन्धा 72 शैफालिका

73 शिंशपा 74 कपित्थ 75 लज्जालु

76 काकमाची 77मसूली 78 नारिकल

79 मजिस्ठा 80 मधुयष्टी 81 भंगा

82 ब्राहमी 83 मण्डूकपर्णी 84 पुष्करमूल

85 एला 86 पारसीक यवानी 87 स्वदिर

88 कटुकी 89 गोरखमुंडी 90 अहिफेन

91 पाषाणभेद 92 बाकुची 93 वासा

94 विदारी 95 भल्लातक 96 अशोक

97 चंदन 98 लवंग 99 स्वर्णक्षीरी

100 जटामासी 101 त्वकृ 102 तालीसपत्र

103 दाडिम 104 द्राक्षा 105 धत्तुर

106 कुष्माण्ड 107 अलाबू 108 शिम्बी

109 वार्ताक 110 शूरण 111 किरातिक

112 शतपुष्पा 113 इन्द्रयव 114 ज्योतिषमति

115 काकाड़ाश्रंगी 116 रसोन 117 देवदारू

118 दारूहरिद्रा 119 गुग्गलु 120 जातिफल

121 करवीर 122 कपीकच्छु 123 दुग्धिका

124 भुम्यामलकी 125 कुपीलू 126 गुंजा

127 विजयसार

<u>रसशास्त्र</u>

1. रसशास्त्र का परिचय, रस एवंरस का पर्याय, रसशास्त्र मेंरस का महत्व रसोषधियां।

2. महारस,उपरस एवं साधारणरस का परिचय एवं स्वरूपरस का शोधन, अशुद्ध सेवनजन्य विकार, धान्याभ्रक।

3. धातु उपधातु एवंमण्डूर का परिचय एवं स्वरूपमण्डूर शोधन की सामान्य एवं विशिष्टविधियां।

4. निम्न द्रव्यों का परिचय एवं स्वरूप

मुक्ता,प्रवाल,शंख,गोदन्ती,बदराश्म,समुद्रफेन,कुक्कुटण्डित वकटंकण,मृगश्रृग्डू।

5. निम्नलिखित यंत्रों का परिचय एवं उपयोगः—

तुला,स्वल्व,उलूखल,पालिका,स्थाली,ढोला,डमरू,कुदुक,स्वेदनी,विद्याधर,

कच्छप,त्रिविधपातन,बालुका,भूधर,पाताल,संधिबंधन,कपड़मिटटी।

6. पुटपरिचय एवं उपयोग, सामान्य उपयोगविधि एवं पुटपाक में आधुनिक तकनीक का प्रयोग।

7. निम्नलिखित वैज्ञानिक शब्दों का सामान्य ज्ञानः

स्वांगशीत,बहिशीत,ढालन,आवाप,निर्वाप,सत्व,वनौषधि

सत्व,लवण,पंचक,क्षारत्रय,क्षारपंचक,पंचामृत,पंचगव्य,पंचाज,पंचमाहिष, पंचमृतिका,ककसास

टक,द्रुति,द्रावणगण,दुग्धवर्ग,मुषा,मूत्रवर्ग,मुद्रा,कोष्ठी।

8. शोधन का परिचय एवं उद्देश्य।

9. मारणपरिचय एवं उद्देश्य मृतलौहपरीक्षा।

10.रस का ग्राह्य एवं अग्राह्य स्वरूप, अशुद्ध पारदजन्य विकार एवं शांति के उपाय, रसदोष, रस गति, पारद शोधन के समय द्रव्यगत एवं शरीरगत सावधानिया।

शोधन की सामान्य एवं विशेष विधियां,अष्ट संस्कारों का सामान्य परिचय,हिंगुलोत्थपारद एवं इसका महत्व।

11. हिंगु एवं गुग्गलु के कुछ योगों का परिचय एवं निर्माण विधि।

12. निम्नलिखित द्रव्यों के शोधन, मारणप्रायोग एवं प्रत्येक के कुछ योगों का परिचय

प्रवाल,शंख,शुक्ति,कपर्दिका,स्फटिका,दुग्धपाषाण,गोदन्ती,बदराशम,समुद्रफेन कुक्कुटाण्डत वकभृंगश्रृंग टंकण का शोधन एवं सामान्य प्रयोग।

13. पिष्टीकल्पना–परिचय, निर्माण विधि, सामान्य प्रयोग एवं प्रत्येक के कुछ योगप्रवाल, मुक्ताशुक्ति,जहरमोहरा,अकीक।

14.स्वल्वीय रसायन,कुपीपक्वरसायन,पर्पटीरसायन,पोटटलीरसायन।

15. मर्च्छना ,सगन्ध,निर्गन्ध,साग्निनिरग्नि, अत्तधूर्मबालजारंणा।

16. कज्जली, रसपर्टी,पंचामृतपर्पटी, बोलपर्पटी, श्वेतपर्पटी, रससिंदूर,ताम्रासिंदूर,मल्लसिंदूर समीरपन्नगतलस्थ स्वर्णबंग,रसकर्पूर।उपरोक्त सभी की निर्माणविधि एवं प्रयोग तथा कुछ योगों का परिचय।

17. अभ्रक, माक्षिक,कासीस,हरताल के मारण का वर्णन एवं सामान्य प्रयोग,कुछ योग एवं लोहितीकरण।

18. निम्न द्रव्यों के मारण, सामान्य प्रयोग एवं कुछ योगों का वर्णन जैसे स्वर्ण, रजत,लौह,ताम्र,मण्डूर,अमृतीकरणभानूपाक, स्थालीपाक,पुटपाक,सोमनाथीताम्रभस्म का विवरण।

19. नाग,वंश एवं यशद का जारण एवं मारण।इसके कुछ योगों का सामान्य प्रयोग।

20. निम्न का परिचय, निर्माणविधि एवं सामान्य प्रयोग द्रावककल्प शंखद्राव, गंधकद्राव।

भेषज्यकल्पना,भेषज्यकल्प एवं वितरण, भेषज्य शालाप्रबंधन

1. भेषज्य कल्पना का परिचय,प्रशस्त भेषज,चतुष्पाद में भेषज का महत्व।

2. कल्पना–संस्कार एवं उनकी सर्वीयताअवधि,निर्मित औषधियों का भंडारण एवं सरक्षण, अनुक्त की अवस्था में अर्थग्रहण, पुनरूक्त, लैशक्ति।

3. मान का महत्व, विभिन्न मानों का परिचय एवं उनका मीट्रिक पद्धति में रूपांतरण शुष्क एवं आर्द्र द्रव्य ग्रहणविधि, मात्रा एवं औषद मात्रा।

4. स्वरस की परिभाषा, निर्माणविधि, पुटपक्वस्वरस विधि, आर्द्र द्रव्याभाव स्वरस निर्माणविधि सामान्य सेवन मात्रा,प्रक्षेप,द्रव्य,स्वरस,योगों के कुछ उदाहरण।

5. कल्क की परिभाषा, निर्माणविधि, सामान्य सेवन मात्रा, प्रेक्षप एवं कल्क योगों के कुछ उदाहरण।

6. क्वाथ की परिभाषा,निर्माणविधि,सामान्य सेवन मात्रा,प्रक्षेपद्रव्य, यवकुट एवं क्वाथ योगों के कुछ उदाहरण।प्रमथ्या,औषध,सिद्ध पानीय,क्षीरपाक,लाक्षारस,उष्णोदक।

7. हिम की परिभाषा, निर्माणविधि, सामान्य सेवन मात्रा, प्रक्षेपद्रव्य, हिम योगों के कुछ उदाहरण एवं तण्डूलोदक।

8. फाण्ट की परिभाषा,निर्माणविधि,सामान्य सेवन मात्रा,प्रक्षेपद्रव्य एवं फाण्ट योगों के कुछ उदाहरण।

9. विभिन्नपथ्य कल्पनाए–मण्ड,पेया,विलेपी,यवागू,यूष,कृताकृत,औषध सिद्ध यूष,भक्त,कृशरा,मन्थ पानक,रागषाडव,काम्बलिका खण्ड, मांसरस, वेशवार,घोल,मथित,तक्रउदश्वित।

10. औषध नामकरण।

11. फार्मेसी में प्रयुक्त आधुनिक मशीनों का ज्ञान।

12. चूर्ण परिचय,सामान्य चिकित्सोपयोगी मात्रा,चूर्ण निर्माण में प्रयुक्त प्राचीन एवं आधुनिक यन्त्रोपकरणों का ज्ञान।

13. वटिका,चकिका,वटक एवं मोदक की परिभाषा एवं इनकी निर्माण विधि।

14. गुग्गुलुकल्प–परिचय, निर्माणविधि एवं इसके कुछ योग।

15. वर्तिकल्पना–विभिन्नवर्तियों का परिचय एव इनका निर्माण।

16. अवलेहकल्पना–परिचय एवं निर्माणविधि, गुड शर्करापाक, पाकपरीक्षा, प्रक्षेपद्रव्य, घनसत्व एवं इसके कुछ योग।

17. खण्डपाक–परिचय एवं निर्माणविधि।

18. क्षारकल्पना–परिचय एवं निर्माणविधि, कुछ योग,क्षारसूत्र निर्माणविधि।

19. संधानकल्पना–परिचय,आसव,अरिष्ट,निर्माणविधि एवं सिद्धि परीक्षा, प्रक्षेप एवं कुछ योगकांजी का परिचय एवं निर्माणविधि तथा प्रयोग।

20. अंजन– त्रिरूप, रसाजन, चूर्णाजन एवं इनका महत्व।

21. स्नेहकल्पना का परिचय, स्नेहमूर्च्छना, स्नेहपाकविधि प्रकार, प्रयोजन एवं परीक्षा।

22. तैल–तैलविधि।

23. शर्कराकल्पना–परिचय,निर्माणविधि एवं शर्करा के कुछ योग।

24. अर्ककल्पना–परिचय,निर्माणविधि एव अर्क के कुछ उदाहरण नेत्र बिन्दु का निर्माण।

25. लवणकल्पना–परिचय,निर्माणविधि एवं कुछ योग।

26. मसीकल्पना–परिचय,निर्माणविधि एवं कुछ योग।

27. लेप,उपनाह,एवंम लहर का परिचय,निर्माणविधि एवं प्रत्यके कल्पना कुछ उदाहरण।

28. औषधि संरक्षक खाद्य रसायन एवं उनके प्रयोग।

29. भारतवर्ष के प्रमुख औषधि संग्रह, रखरखाव, वितरण एवं मिश्रणविधि का ज्ञान व्यवस्थापत्रक में प्रयुक्त संकेतो का ज्ञान।

30. औषधि मिश्रणवितरण एवं उप स्थाता के कर्तव्यों का परिचयात्मक विवरण।

31. आयुर्वेद एवं आधुनिकमतानुसार औषधि मात्रा का ज्ञान।

32. एकल औषधि एवंमिश्रणऔषधियों का ज्ञान एवं उनके भेद

33. वितरण की विधी।

34. व्यवस्थापत्रक का ज्ञान एवं आदर्श फार्मेसिस्ट द्वारा वितरण इकाई का रख रखाव।

35. व्रण का निर्जीवाणुकरण डेसिंग सूचीवेधन,पंचकर्म,अंजन,विडालक,एवं आश्च्योतन का तकनीकी ज्ञान।

36. गॉज,बेन्डेज,कैची,चाकू,फारसेप्स साधारण एवं दंतयुक्त का निर्जीवाणुकरण एवं यंत्रों का बहिरंग चिकित्सालय में प्रयोग का ज्ञान।

37. व्यवसायिक गणित,आय,व्यय का विवरण,मूल्य निर्धारण, एकाउंटेंसी एवं लेखा परीक्षण।

38. आद्यौगिक प्रबंधन एवं विपणन का संक्षिप्त ज्ञान।

39. रसशाला की कार्यविधि द्रव्यों का संग्रह संरक्षण एवं विधिवत वर्गीकरण औषधि का ज्ञान।

40. औषधि अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की प्रकिया का ज्ञान।

Important Note: The Weightage as mentioned against the syllabus is tentative & may vary.